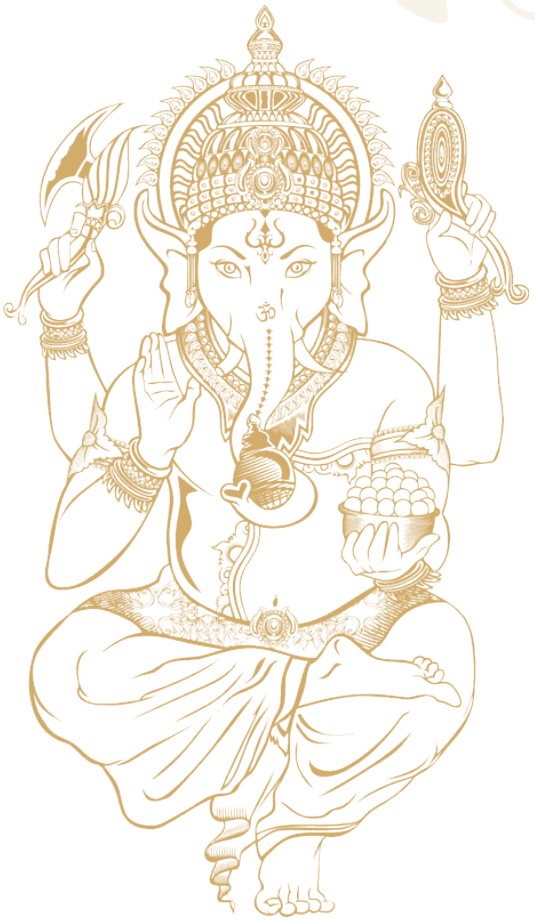

Mohit

03 May 2009

07:10 PM

Barsana

Model: web-freekundliweb

Order No: 121784508

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**03/05/2009**
दिन	रविवार
जन्म समय	**19:10:00 घंटे**
इष्ट	33:45:07 घटी
स्थान	**Barsana**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:38:00 उत्तर
रेखांश	77:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:49:28 घंटे
वेलान्तर	00:03:07 घंटे
साम्पातिक काल	09:35:49 घंटे
सूर्योदय	05:39:57 घंटे
सूर्यास्त	18:55:20 घंटे
दिनमान	13:15:23 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	19:15:56 मेष
लग्न के अंश	23:14:02 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ध्रुव
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मे-मेनका
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	23:14:02	309:21:55	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
सूर्य			मेष	19:15:56	00:58:10	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	उच्च राशि
चंद्र			सिंह	11:10:27	13:39:23	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
मंगल			मीन	14:30:03	00:46:09	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मित्र राशि
बुध			वृष	07:10:16	00:19:19	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	मित्र राशि
गुरु			कुंभ	00:15:17	00:07:25	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
शुक्र			मीन	09:32:04	00:30:23	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	उच्च राशि
शनि	व		सिंह	21:04:39	00:01:23	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		मक	10:02:44	00:02:23	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	10:02:44	00:02:23	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			मीन	01:18:17	00:02:33	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	---
नेप			कुंभ	02:18:29	00:00:50	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	---
प्लूटो	व		धनु	09:05:56	00:00:51	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	27:35:21	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:59:28

लग्न-चलित

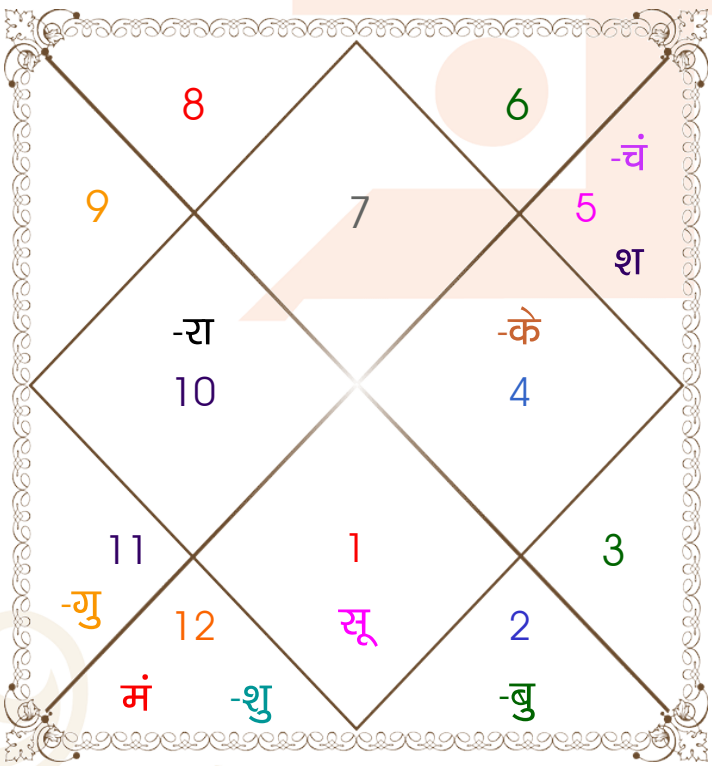

चन्द्र कुंडली

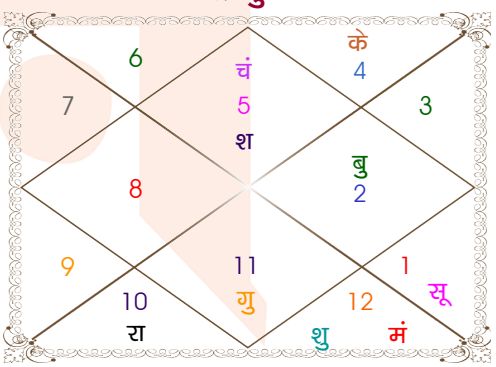

नवमांश कुंडली

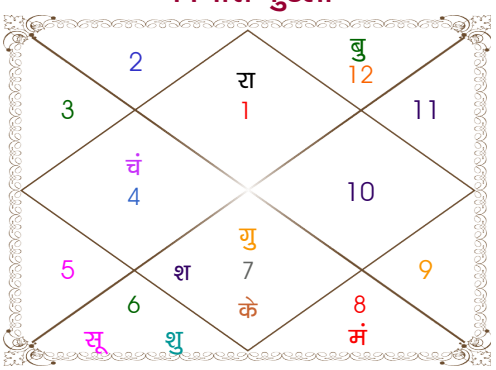

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 1 मास 18 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
03/05/2009		21/06/2010		21/06/2030		21/06/2036		21/06/2046	
21/06/2010		21/06/2030		21/06/2036		21/06/2046		21/06/2053	
	00/00/0000	शुक्र	21/10/2013	सूर्य	09/10/2030	चंद्र	21/04/2037	मंगल	17/11/2046
	00/00/0000	सूर्य	21/10/2014	चंद्र	10/04/2031	मंगल	20/11/2037	राहु	06/12/2047
	00/00/0000	चंद्र	21/06/2016	मंगल	15/08/2031	राहु	22/05/2039	गुरु	11/11/2048
	00/00/0000	मंगल	21/08/2017	राहु	09/07/2032	गुरु	20/09/2040	शनि	21/12/2049
	00/00/0000	राहु	21/08/2020	गुरु	27/04/2033	शनि	21/04/2042	बुध	18/12/2050
	00/00/0000	गुरु	22/04/2023	शनि	09/04/2034	बुध	21/09/2043	केतु	16/05/2051
	03/05/2009	शनि	21/06/2026	बुध	14/02/2035	केतु	21/04/2044	शुक्र	15/07/2052
शनि	24/06/2009	बुध	21/04/2029	केतु	22/06/2035	शुक्र	21/12/2045	सूर्य	20/11/2052
बुध	21/06/2010	केतु	21/06/2030	शुक्र	21/06/2036	सूर्य	21/06/2046	चंद्र	21/06/2053

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
21/06/2053		22/06/2071		22/06/2087		22/06/2106		23/06/2123	
22/06/2071		22/06/2087		22/06/2106		23/06/2123		00/00/0000	
राहु	03/03/2056	गुरु	09/08/2073	शनि	24/06/2090	बुध	18/11/2108	केतु	19/11/2123
गुरु	28/07/2058	शनि	20/02/2076	बुध	04/03/2093	केतु	15/11/2109	शुक्र	18/01/2125
शनि	03/06/2061	बुध	28/05/2078	केतु	12/04/2094	शुक्र	15/09/2112	सूर्य	26/05/2125
बुध	21/12/2063	केतु	04/05/2079	शुक्र	12/06/2097	सूर्य	23/07/2113	चंद्र	25/12/2125
केतु	08/01/2065	शुक्र	02/01/2082	सूर्य	25/05/2098	चंद्र	22/12/2114	मंगल	23/05/2126
शुक्र	08/01/2068	सूर्य	21/10/2082	चंद्र	24/12/2099	मंगल	19/12/2115	राहु	10/06/2127
सूर्य	02/12/2068	चंद्र	20/02/2084	मंगल	02/02/2101	राहु	08/07/2118	गुरु	16/05/2128
चंद्र	03/06/2070	मंगल	26/01/2085	राहु	10/12/2103	गुरु	12/10/2120	शनि	04/05/2129
मंगल	22/06/2071	राहु	22/06/2087	गुरु	22/06/2106	शनि	23/06/2123		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 1 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के प्रथम चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के संयोजन से मेदिनीय क्षितिज पर जन्मकाल मेष नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण से यह स्मरणीय है कि आप अत्यंत आलसी प्रवृति की प्राणी हैं। इसके प्रभाव से यह भी स्पष्ट है कि आपका भविष्य ईश्वर की अनुकंपा से सांसारिक सुखों से युक्त एवं आप विलासप्रिय जीवन व्यतीत करेंगी।

आप धन संचित करने के लिए अन्य की अपेक्षा अति अनुकूल तरीके से प्रस्तुत होंगी। इस बात से यह भी स्पष्ट है कि आपमें धनोपार्जन के सभी दाव पेंच विद्यमान है। साथ ही आप दो पक्ष को कलह की स्थिति में लाकर अपना लाभ प्राप्त करेंगी। आप मुख्य रूप से अपनी आयु के प्रथम 21 वें वर्ष से 38 वें वर्ष तक 34 वे वर्ष के समयावधि में बहुत धन उपार्जन करेंगी।

आप अनुचित तरीके से बहुसंख्यक व्यक्तियों पर अहंकार की भावना से अधीर होकर आक्रमणकारी रूख आपना कर उसे तंग करने की प्रवृति रखेंगी। अधिकांश व्यक्ति जो आपके संपर्क में आएंगे वे आपकी बचकाना आचरण से अप्रसन्न रह कर आपके शत्रु बन जाएंगे। परंतु आपको अपनी चारित्रिक उच्चता हेतु उत्तम यह है कि आप शक्ति सम्पन्नता प्राप्त करें। अर्थात् मानवीय शक्ति संग्रह करें। तथापि वे लोग आपके स्थायी शत्रु बन ही जाएंगे।

आपका संदिग्ध चरित्र आपकी प्रभावशाली छवि को बेनकाव कर आपको बहुचर्चित एवं कुख्यात प्रदर्शित करेगा। आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को नीति पूर्ण बनाकर व्यवहारणीय बनाएं। अन्यथा आपकी समस्त धारणा कलुषित प्रमाणित होगी।

यदि आपकी ऐसी अभिलाषा है कि आप अपने घरेलू वातावरण एवं अपने परिवारिक जीवन को सुव्यवस्थित रखें तो सदा सर्वदा के लिए कुटनीतिज्ञ तरीके का संपादन करना अनुकूल होगा।

संप्रति आप अति वासना प्रिय महिला हैं। अगर आप अपने जीवन संगी की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सकी तथा वातावरण छिन्न भिन्न रहा तो आप संतुष्ट तथा प्रसन्न नहीं रहेंगी। आप सावधानी पूर्वक पारिवारिक एवं घरेलू जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत हो सकता है।

आपके पति आपको सदैव अच्छी प्रकार से प्रसन्न रखेंगे तथा ऐसी आशा है कि आप सदैव अच्छी संतानों का सुख प्राप्त करेंगी।

आप निरंतर कुशलता पूर्वक सक्रिय रहने वाली प्राणी हैं। आप धनोपार्जन हेतु पूर्ण रूपेण लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर अनेक यात्रा करेंगी। आप असामयिक भोजन एवं मद्य पान एवं अति भोजन के कुप्रभाव से कुछ समय के पश्चात आपके उत्तम स्वास्थ्य को प्रभावित कर देगा। आप यदि ऐसा चाहती हैं कि भविष्य में संभावित रोग यथा ट्यूमर, रक्त प्रवाह की न्यूनता संबंधी आदि रोगों से मुक्त रहें तथा मस्तिष्क रोग एवं मूत्र संबंधी रोग की परेशानी से

वंचित रहें तो खान-पान के संबंध में सतर्कता पूर्वक आचरण करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप अंकों में 3, 5, 6 एवं 9 अंक को छोड़कर 1, 2, 4 एवं 7 अंक का व्यवहार करें क्योंकि ये अंक अनुकूल फलदायी है।

आप रंगों में लाल, नारंगी एवं सफेद रंग को धारण करें तथा रंग पीला एवं हरा रंग आपके लिए त्याज्य हैं।